भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने की एआई एवं हाई पर्फ़ोर्मिंग कंप्यूटिंग अनुसंधान केंद्र की स्थापना

भुवनेश्वर, 27 दिसंबर 2023: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने एआई एवं हाई पर्फ़ोर्मिंग कंप्यूटिंग (एचपीसी) के क्षेत्र में अंतःविषयक और सहयोगी अनुसंधान करने के लिए एक नवीन एआई और एचपीसी अनुसंधान केंद्र (एएचआरसी) की स्थापना की है।

एएचआरसी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के अनुसंधान, नवाचार और अनुप्रयोग के माध्यम से कई क्षेत्रों में वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए भारत और विदेशों के सहित अन्य प्रतिष्ठित अकादमिक, उद्योग और सरकारी अनुसंधान संगठनों की भागीदारी के साथ एक राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र के रूप में डिज़ाइन किया गया है।

एएचआरसी एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देगा जहां कई विषयों और कई संस्थानों के वैज्ञानिक और शिक्षाविद तेजी से आगे बढ़ने वाले क्षेत्र से निपटने के लिए एक सामान्य संसाधन पूल और ज्ञान पूल बनाने के लिए एक साथ कार्य कर सकेंगे । इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, चिकित्सा, कृषि, आधारीय विज्ञान, वित्त, अर्थशास्त्र और अन्य क्षेत्रों के विभिन्न शोधकर्ता, उद्योग और समाज के सामने आने वाली समस्याओं के एकीकृत और व्यापक समाधान खोजने हेतु एकजुट होकर कार्य करेंगे । एएचआरसी का सबसे महत्वपूर्ण अनुसंधान और नवाचार फोकस उन क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के अनुप्रयोग में है जो प्रत्यक्ष रूप से समाज को लाभान्वित करते हैं जैसे कि चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण, स्थायी समुदायों, स्मार्ट शहरों और साइबर सुरक्षा ।

प्रो.श्रीपाद करमलकर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर एएचआरसी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे, और प्रो. अश्विनी कुमार नंदा एएचआरसी गतिविधियों को इसके संस्थापक केंद्र-निदेशक के रूप में नेतृत्व करेंगे। इसके अलावा, प्रो. सुब्रंशु रंजन सामंतराय और प्रोफेसर मनोरंजन सत्पथी एएचआरसी के सहयोगी केंद्र-निदेशक के रूप में कार्य करेंगे।

आईआईटी भुवनेश्वर की इस महत्वपूर्ण पहल के संबंध में, प्रो. श्रीपाद करमलकर ने कहा कि : “आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा निर्मित यह एक तरह का राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र है जो समय के मांग के अनुरूप राज्य और पूरे भारत के शोधकर्ताओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई परफॉर्मिंग कंप्यूटिंग के क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान और नवाचार के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करेगा।”

"केंद्र-निदेशक प्रो. अश्विनी नंदा के शब्दों में कहा जाए तो, "एएचआरसी का लक्ष्य भारत के लोगों की सेवा करने हेतु वैश्विक जानकारी लाने के साथ-साथ वैश्विक प्रौद्योगिकी प्रभाव बनाने और अपने विश्व स्तरीय अनुसंधान के माध्यम से वैश्विक समुदाय की सेवा करना है।"

एक दर्जन से अधिक अमेरिकी विश्वविद्यालयों और औद्योगिक प्रयोगशालाओं के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित करने के अलावा, एएचआरसी राष्ट्रीय संस्थानों जैसे एम्स और अन्य आईआईटी के साथ-साथ ओडिशा और ओडिशा राज्य सरकार के विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर सहयोग कर रहा है। उदाहरण के लिए, एएचआरसी के वैज्ञानिक एम्स भुवनेश्वर और संयुक्त राज्य अमेरिका में स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क के वैज्ञानिकों के सहयोग से ओडिशा के ग्रामीण समुदायों में कई बीमारियों के निदान और उनमें होने वाली जानलेवा बीमारियों की तेजी से जांच के लिए एआई उपकरण विकसित करने पर काम कर रहे हैं।